TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4316**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥ सोमतस्य ॥२ ॥ मन्तुरुत्तमः ॥ योगी ज्ञानस्य र्थ ॥ परे प्रौढ कर्मसे घाद [illegible] करणात देवमनुवंतनग [illegible] परार्थ ॥२

॥ऐं॥ श्रीजिनाय नमः॥ सिद्धो घमुप्रसिद्धं स्कंदाम्पदानां॥ यस्यात्मनो परमकर्म समावृतानि॥ उत्क्षालनैकसलिलानि मनोमलानां
मोहादानः वचनानि चिरं जयंति॥१॥ जयंति संतः सुकृतैकभाजनं। परार्थसंपादनसंभृतस्थिताः। कलंकनीरोगविशुद्धदर्शिनो।
ज स्थितिदृष्टमधुवाक्यगिरः॥२॥ श्रीकोमलकमलदलतनुमुनिना [illegible] वक्षदेवीसमा। सातत्य बलं ह्रदिते दशनानां नीलवर्णकांति
पितृ बद्धवा ततुर कुलिं परयुगानां वक्तुं नगाकामती॥ जिनकालो दशि [illegible] खलु सुखदि हे वेसमलक्ष्यते॥ वह स्थान कि सत्यमतत
सुपकारिणयकृति कातज्ञा कर्हतो जगति निवसेतो वध्यविधः क्रियतमेमंत शक्तनय रिर्यौक [illegible] तिनो॥ विना [illegible] सांत्ववति [illegible] कृत्य
व्यसनितां [illegible] लिसमनमकान सङ्कलितो। वदचितांतकवि लक्षगुणस्य नाम॥ पकं सियानि रिसिसंधि वृद्धि रिक्ततां दीव्याप रंयरमुनिर्हि
तिथात्र हृतां॥ किं मे ध्यांदतखलउगातविपिस्याताम संयकिराउ। सुकल कर्तृमासुमाङ्ग चेद्रिणा चारु [illegible] तेनद स्किासि नमतास्मे विधि
तेस्तवति किं कुयदं तमेनि॥ इदीत्येमतानिदंतु भाव गता वसात॥ मत्तजा शूद्र रच नां वतिसानुस्यं [illegible] नलोधकर
वकुसमीक्षितार्थाय ह्यविदग्धसुखमंडलमवयंतां॥ उपहासि। मतामथ्या स्त्रावेवकु मतमदा सुधियाः ताः रलापिवे प्रतीक्षा॥ निरम्बुमु
मंडनं विज्ञाता॥ उपाकुवीसिममसे वृद्धिवीसंक्षिलम मकांतखेवि समम मंच॥ द्विर्य्यकस्य मसुकोः प्यसक्षि मत [illegible] सामे कालाय
निन्नकालि दालनदकं माउ श्रिा सालका रंभको हे कारण या ज्यो हरदा तृष्णा भानसोन रेतथा॥ आदि मध्यो रौसावा॥ अमेतुर मन्यरा
॥१॥ कृविता पृच्छत विवा विषमेव्हस्तेनाम कोनामीस्यात तता कविः सोत्र गां दी यथा सृजे॥ श्वदंमीवा कोतर तहता॥ ब्याकि हेर मनुष्यास्व
दयादीनस्य काय्येका केय त्तवघा॥ स्वगी सुधी मेवता नजुगतव्यागतं वकाव हसीनाम्नरं वधता दीयमी नाकरेतमा॥ १ ॥ एवंलाना
पीयानु। चित्वं सुहमेक्च॥ वहे लिकातवहिव्य॥ कालसीरा दिव लिंता॥ १॥ अकुमारादिकं गूढो पदंपादं श्रिगूढकं॥ इति निंदात घाद
॥ सवाय हुलिबिडं मेता॥ कियाकोरक मेवधा युक्तात्मा [illegible] देवी [illegible] रूपदेवा॥ तमृ्य मञ्जुनं त पांस म[illegible]गन्याव

॥ किंवदंतीमा कारकस्य [illegible] संबंधस्य [illegible] ॥ ५६ ॥ ॥ सामान्य [illegible] ॥ ५७ ॥

॥ तस्थान ज्ञानस्य सुमानेना [illegible] गतब्याकरिवेद अनुसमक्ष ॥ क्षवि ॥ कारं ॥ ५

॥ कारखंयकीर्ति पर्यायेन तु पर्यायेन [illegible] ॥ २

॥ क्रियाकारको [illegible] ॥

॥ मात्राव्यक्तक ॥ विकृत व्यक्तता ॥ विसर्ग च्युतक ॥ ६३ ॥ [illegible] ॥ श्रीरांहलं [illegible] ॥ व्यकर ॥ करवर्ति ॥ [illegible] ॥ सख्या ॥ [illegible]

चनस्य च ॥ ४९ मात्रा बिंदु विसर्गाणां व्यक्तकामर्थं ह्रस्व [illegible] तोन व्यंजनं यथा दः पति सर्पि कीत [illegible] स्तथा ॥ ५० [illegible]
[illegible] विसागेन ॥ कीतोन्मनिवदा श्रावत्ता विडत्ये [illegible] समुदा विरक्षणम् ॥ ५१ [illegible] किं यदं [illegible] बिसर्ग
[illegible] धनतया ख्यातः ॥ [illegible] सुमन्ते ह्रिष ॥ ५२ [illegible] सौरि [illegible] तो सागेन ॥ [illegible] का ॥ [illegible] ॥ ५३ [illegible] वित ॥
कं किं कोदं [illegible] ॥ ५४ रामानुरागा ॥ व्यस्त जाति ॥ [illegible] कदापि केवोतिन विका [illegible] विच्छिद्यमान
तनवा [illegible] राजते ॥ ५५ समलय [illegible] ॥ [illegible] कोकिलनि [illegible] रवदरितस्द कारक्षाननः [illegible] ॥
हृदयहारी मधुकर [illegible] कोशि केकेहि ॥ ५६ मधु [illegible] ॥ [illegible] सजाति ॥ [illegible] समासय [illegible] ॥ ५७
न दे [illegible] समस्तकं ॥ ५८ [illegible] सुकान्तवतिनि ॥ [illegible] कीद्दगंश ॥ [illegible] आ [illegible]
स्वध [illegible] ॥ कोत्र [illegible] निवितां [illegible] स्यात ॥ ५९ कालिकापालि [illegible] ॥ कीदृश [illegible]
[illegible] मतोवारिक [illegible] सतिच्यवणेन वेतु ॥ वृद्धिकांत [illegible] सदासंकीर्तिकः ॥ कीदृशो [illegible] विदिष ॥ ६० [illegible] रितोर
॥ द्विवी सजाति ॥ [illegible] सखी [illegible] माव [illegible] कथंच [illegible] मासि गता ॥ [illegible] कीदृ [illegible] ॥ ६१ [illegible]
न [illegible] ॥ विश्वे [illegible] मानुषं सं यत ॥ कथं [illegible] दिनांते विकसंतिका ॥ ६२ [illegible] नराजया ॥ [illegible]
सम सजाति ॥ ६३ [illegible] विसागेना समुदाय [illegible] ॥ [illegible] का ॥ [illegible] काप्रिये [illegible] रागनाथ
[illegible] केतन नायनं [illegible] ता ॥ कीदृशो [illegible] धनं समलि [illegible] सदा ॥ ६४ [illegible] लालरतेन ॥ कीदृशं [illegible] हृदयहारि
जितं का सखा [illegible] ॥ कस्य [illegible] कीदृशा [illegible] निशाकर ॥ ६५ कलंकावर [illegible] ॥ [illegible]

॥ [illegible] जितं कीदृशस्यात् ॥ कलं मधुरं ॥ ॥ [illegible] तला ॥ नरतेन ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] कसरवा मित्रे [illegible] ॥ ७२ ॥ [illegible] लालरतेन ॥ ७३ ॥ [illegible] दिनांते विकसंति ॥ ७४
[illegible] ॥ दिता [illegible] ॥ कलंकेन [illegible] ॥ ७ कलंक विर

स्त्रजाति॥ द्विर्वासम्मेवसन्दं॥ समुदायेनव्यञ्जवेत्॥ त्रिधात्रिभ्रं तद्देवो वक्रो॥ द्विवर्यसमसकं॥ ३२ कोशकं [illegible] वलया व
यो मरः क कीदृशं यंसनि यनंवमिति [illegible] संरोध्योर्ध्यां पति विशयीवक्षीदृश॥ ऊर्ध्वधनोन विसृ [illegible] कीदृशा॥
[illegible] वतनयां॥ कोमाहाय ऊरीश्वरस्य विदित संबोधनीयो [illegible] कोधम्यो विरलाकालोनवर्षनः किंवन्नकीदृशं वि
नः किंस्लखाववनेत्तवदति॥ आर्यऊरुकायकीदृशं वलाः कोति [illegible] अपति मनोसवसमो मन्योरवाव्रकीदृशा॥ मधरा
डीवसमिन्तवदनः॥ द्वि व्यंश्रमस्तन्नाति॥ द्विसमस्तं [illegible] सुप्रेष्य सकेलउनरवेत॥ तां द्विसमस्तकव्यसंकषितेश्रथ
ति॥ तथकीदृशः सकलजनो नदेवराज्ञः का॥ कालोरि दितन्द्रोषकारदेशः॥ कः प्रियाद्विकसुदवनस्य
कानिदेति श्रावव्यं वदन्ति रसादितद्वयाक॥ [illegible] दिधनं दिनं दित॥ संयामस्करदशि नाख्या दत
॥ किंके ऊर्ध्वतनियंनरस्यकर्षः॥ कस्मिन्तु वनि कदाणि [illegible] प्रज्ञाता॥ [illegible] बाल [illegible]
जः॥ २७ नुरकरे गवः॥ द्विमसः सव्यस्त्रजाति॥ एकश्च॥ विशेषयर्त्तसिनाश्च तियादकं [illegible] ममस्तस्यातम
कालापकं विड॥ २८ कीदृशोनिरयात्र [illegible] नेकधा सेवा॥ रसमण्य एकमेसि॥ २ न राजा [illegible] विदिता॥ कीदृशी व
पिटकानन सलो॥ ऋषन रकं पालरविताकेसरकुमत [illegible] कीदृशो रसवदिमाडके उरान्तर्कूल॥ शिवम
[illegible] लक्षणं रजुनासमिति कीदृशोस्रवत॥ ४७ दानवक्रो [illegible] कालापकजाति॥ शब्दार्थलिंगवचनं
वसेर्यहासमस्तके॥ विसर्वाचध [illegible] तुतस्यति नकसुवा [illegible] भकलारातिः एवं निकोलिकोस्त्योसि
यवहृतिं मेघारव्य [illegible] रुजिराज्ञायाः॥ किंभितिरद्धं यकारिनि [illegible] ॥ [illegible] एतिःकं

विलतदवां नद्दतंकीदृशमत्तवतिभुरंजनमहितं॥ किंकविनंविदितंश्च दधीचर्तुयादः पतिरवि कीतमतयदसाक॥ ४४ ध्वनिमकरमया॥
शब्दार्थलिंगनित्रं॥ अनुकूलविधयेदेवग्रोविऊयी॥ स्यानवकीदृशो॥ एव्यः विरहणपिजानकीवनेनिवसंती मुदंमाद्दा क्षत
॥ ४५ कशालवृद्धितं॥ ऊर्ध्वमघनदत्यनाकलो॥ वदकाः स्मृदयंतिसागिनः॥ अधिगम्यरंतदरांगना॥ ऋतुयज्ञे कुरुते [illegible]
क्रीता॥ ४६ सुरतरवा॥ शब्दार्थविसर्गकिमिति॥ कोसवाहिरंबुधिमध्यमग्नाकीदृशस्तुतंचवतिनिमेलमाभवानां॥ आमंत्रयख
वनमभिशिखावलीदंतधा॥ पिकोदरदतिकेमदयतिहंगाः॥ ४८ कुंदमः करेदबिंदवा॥ वसातिकुसुसरोरुदंततिदिनकृते
नुत्वा तिमिरश्छिदः॥ पवनसदृसपन्नरणास्तुकंवरुषमा कामाकानगतप्रियः॥ ४९ काकिरणाक [illegible] शब्दार्थवचनं
नाकीदृशंदधामयूलं गतस्याकाञ्चनं सरण [illegible] जनानां॥ रूपानंते कंवंकथं हुंघटे [illegible] आर्यिरितिशो
नरं स्मि॥ ५० वाराविनाद॥ कवयोवदकनकीदृ नाकविवंकिविदितसमतत॥ अभ्युन्नतवाविरियो॥
षितां॥ इदिताथं पललोविदायका॥ ५१ गिरिसार मुखा॥ शब्दार्थविसर्गकिलिंगसन्नंमे घात्ययेसरतिकिं॥
सुसगावगाहं कावाविडवयतिशारणमहवेवृण॥ ५ वीरवीर्यविनवस्यस्वंड्रणकाकाः स्मरवजखसमास्वर
ण्यासृस्ता स्ति॥ ५० सरोजराजय॥ इच्छतिसिरोरुदोमधुमधमंमधुमथनसंशिरोरुहंच॥ कास्वलुचपलतयाशु विविदित॥
कानंद्याननवांगविगदिता॥ ५१ केशवमाका॥ शब्दार्थलिंगवचननिन्नंनसवतिमलयस्यकीदृशी चधकईदेकच
नविसर्गिकंगता॥ श्रीसंवदरिनिवदेवकाद्यिनित्यंसलंमंधानिनं विपदुवाधीयिकयां॥ ५३ विपन्नगामां॥ समयमि
वदनिकानिवीविश्रमयतिकानवर्दवारिवादवदंविपतरतिजरवामनस्तु कीदृशं अदमतिमास्मयंसदांतडागा॥ ५४
श्रुरविदवान्॥ शब्दार्थविसर्गकिवचनतिनी कीदृशंसमितिविलंनिदंति॥ शिवाविसो॥ कामनिसिसुदंसदातनोतिवत्सं

॥ केरीति॥ ॥ संयाम॥ ॥ आकारि॥ ॥ आतिशमेन॥

॥ कीदृशैस्तैः [illegible] निर्वृति ॥ [illegible] विद्यते सीमंतिनी [illegible] ॥ [illegible] कामुदंतपमालस्ती ॥ [illegible] किंनि ॥ [illegible]
पदे ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

संचरधिमुरवंनिगदने किं प्ववि ममम [illegible] केशा ॥ [illegible] निशां ॥ घनसमये हि [illegible] कीदृशां ॥ किं घनांत्समति ।
कसनगमनमानमगमनेवति ॥ कीदृशा [illegible] ॥ ५ मधु [illegible] कमनस ॥ [illegible] लिमविन किंवचनलिके ॥ [illegible] जाति ॥ [illegible] माचिक
लिदंत निमंव भूति ॥ केचन कुमारप्रियस व विदम्भेनादित यथा ॥ [illegible] आनंदयंति कोत्यधी सकलानानि वहरसे ॥ प्रबोधयति प्र
नितमा सिंचति हंतिक ॥ १७ मिषोदया [illegible] कीदृशी वायो ॥ जरीमालव निद्रिया ॥ [illegible] कीदृशी कोना तानतो तिमु
रति [illegible] ॥ १८ मदनवती ॥ विनावव त्रिपाकर्त्तव्यो ॥ [illegible] विभ्रम केविदि ॥ लिंगादिषु यथा ॥ किंतने दमाज दिपस्थिता ॥ १९
॥ इति श्रीधर्मदासकृतविदग्धमुखमंडन [illegible] परि [illegible] दा ॥ [illegible] विशेषण विशेष्यवा यत्र [illegible] भेद्यते ॥ सेयनेदक
माज [illegible] विदायथा ॥ १ कीदृग् [illegible] स्थानो ॥ [illegible] विश्वारिकों [illegible] पर था मत्स्य [illegible] मादात
कीदृशा [illegible] मारा ॥ ३ विमर्षा [illegible] ॥ [illegible] यथार [illegible] ॥ किमवु किं धीत [illegible] यो वि [illegible] कलं वी [illegible]
समरे कीदृशा [illegible] ॥ ३ सकलं कं ॥ [illegible] जाति ॥ दि [illegible] तेन यम ३३ ॥ सुन रं किय द [illegible] विश्या
नाभिर्जित स्वति केचन ॥ ४ कामिन्या [illegible] नसार मध रयात [illegible] लीलाचल [illegible] कंदर्पकविलासति त्यय मते ॥ कीदृश उम
तवचनः ॥ [illegible] याप्याटितगजा ॥ नीका [illegible] सावास विधुक कंदराणि [illegible] दित ॥ [illegible]
मरंता ॥ दितीरा तिर मोवरा [illegible] का मुजा [illegible] कारूप्पं वि [illegible] ति को मधुवन [illegible] विधवर्दी दातुका ॥ [illegible] दंन
रसम्न की कवलान [illegible] पा मराम [illegible] ॥ किंवि [illegible] व मत्य [illegible] कीडा लिराम स्थिति ॥ [illegible] जेरा ॥ [illegible] जानि ॥
तपमाविरले कारो [illegible] परि कीर्तिता ॥ यदेनु [illegible] मादी माल कारं त [illegible] ॥ [illegible] कल्पाणवाकुचमिव किं पदमव
कांतमदयतम मिवक [illegible] रितोषकारी ॥ क [illegible] दाटयग निद्यु निवा ति मात्रो ॥ [illegible] मासृता ॥ कथयं पालितसर्वसत्ता ॥

॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ एवंविध [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
॥ मालतीक [illegible] ॥ २ ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] यस्मात् [illegible] तिमिर [illegible] सिंदी ॥ मत्स्य [illegible] वारि [illegible] ॥ [illegible] कीदृ [illegible] ग्न [illegible] ॥ चूत ॥ कामास
वीकुसुमदाम [illegible] ॥ ८ नागरी ॥ [illegible] कारणाति ॥ [illegible] तर [illegible] को जकमि तीक्षति ॥ [illegible]
च सदि दंयथा ॥ ३ केस्त्रिशा के दिवा ॥ [illegible] ॥ [illegible] कीदृशी [illegible] कीदृशघना [illegible] ॥ [illegible] वा रिष्ठ
रजनि ततरंगा ॥ काकृ ता ॥ विधुना कीदृशा [illegible] दमत ॥ [illegible] कीदृ [illegible] स्वामी ॥ को निवेति निशामे तया ॥ ७ कुमुद वन नो ॥
नोदय ॥ सकोडक याति ॥ [illegible] स्वराः [illegible] वा ॥ [illegible] ॥ ८ क दर्पमव
जनकं ॥ [illegible] दिना [illegible] तमेवा [illegible] यतु [illegible] गपुक पा ॥ [illegible] हितद विरही
नाभि [illegible] तर [illegible] ॥ नु [illegible] नित्य ॥ ९ [illegible] मजाति ॥ [illegible]
स्मि [illegible] ॥ ३६ [illegible] मंतदिवति ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] कीदृशा ॥ [illegible] वनालीकी ॥ [illegible] ॥ १ [illegible] सरिता [illegible] को ॥ [illegible]
[illegible] कथयं वरितकेरुफ लीका यो वाद [illegible] ॥ १ [illegible] तिज्ञाति ॥ कथ [illegible] गावगाह
[illegible] रतवतुला [illegible] रतदि [illegible] ॥ का [illegible] गापिन ॥ [illegible] तस्वाति [illegible] तरम [illegible]
रसम [illegible] मिवसवा के ॥ कथयंमरस ॥ [illegible] हंसा ॥ नियतं का [illegible] यथा ॥ [illegible] तजलदा
काराजति देवदनाम ॥ [illegible] जाति ॥ [illegible] वाके [illegible] ॥ [illegible] डोका मादिमध्यात
बर्के ॥ २२ अमरहिते ॥ कीदृशो [illegible] तितरां विकसितया [illegible] ॥ कीदृक ॥ [illegible] विकज्यातसा को ॥ २३ [illegible] क
नगाया ॥ नगयति [illegible] गध [illegible] ॥ के मेवं तेस [illegible] मा [illegible] त ॥ [illegible] रजाति ॥ [illegible] दिता [illegible] परस्वार्व

॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ २३ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ २ ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ २४ ॥

4

नितावदनस्यकीदृशाः सदृशाः ॥ नीलादिकोपलेनः स्फरतिप्रबद्धा तांकस्य ॥ ३ ॥ थागोरिक मनः शैलादिशायेणाता द्यतेकृत
मगता ॥ या खलु नरललितगुरुष घानाउ ॥ सकीदृक्त ॥ प्रहमसंबोध्य रजाति ॥ ॥ कस्मिन्नु वसति वदसि गणा विकल्पं ॥ किं वीप
वंवदति किं कुरुते विवस्वान् ॥ विघ्नद्वता वलयाद्यानूपविकाशनान्याउ ॥ द्वजकोस्त्व तिकः खद्धदारिवीर ॥ ॥ २२ ॥ ॥ ॥
गतश्रतिप्रद्रुराशिखरी कीदृशन चेतव दवाक्षविद्योविनित्राकीदृग्वहस्यनिमते विदिताशियोग ॥ या याश्रु मात्तवतिना किंक
श्रीमध्यं ॥ मयूर नीतरजाति ॥ ॥ प्रदीतराति संबभ्नतावस्वाकोपि संश्रितं कुत्रितापक्लांतन त्रया ता ॥ कांते ॥ क्रीबो ॥ श्वितां ॥ ॥ २३ ॥
मंबाधनं कीदृशा कं विनायरिकीर्तिताके नेदं मोहितं ॥ किंनाश्राया कितायते यथा ॥ [illegible] रोकवदेभयतेसिद्धे
यं विरचितावासः ॥ किंव्यतिर्गुडारि [illegible] वास वदकृतो [illegible] ॥ [illegible] चितायकृतजारिया मत्स्य [illegible] विष
विभगं तन्निगद्यतां ॥ हन्त नामोत्तरं वर्ण्यं ॥ अत्रंत हृतन [illegible] कं ॥ [illegible] कीदृग्वदनस्यान्न [illegible]
तस्य चकीदृशा सा वाच्यं त्वदीक्षणजातमनुकी [illegible] धित्रातगविकोर्चनीयं ॥ [illegible] दिम [illegible] ॥
याः का यन्त्र सुव्यति नराः सर्व त्वं कीदृशाः ॥ नाधिक तिता [illegible] नावाचीवदकीदृशा ॥ [illegible] मनाविभमजाति
॥ ॥ गताकिंभाया सा विमलमनसां कत्र सुन यस्य प्रस्य ति ॥ सद्भासुरश्रियो ॥ का चद्यिता ॥ का घा श्रेया ॥ किं स्यान्नवलघु
युतिरहयुरुत्तिर्तुभ्रम संवर्णी ॥ स्फटघटितबंधकघयता ॥ रूपविभवहरिणी ॥ उरसिस्तुरत्तिदाका ॥ गाढमालिंगिता सभ्य
सिज्जमकरंदामोवितानंदानका ॥ गिरिसमलम्बजले [illegible] स्वा नमस्यगुरुत्तिरचिकृताका ॥ वदसीहत्तिरथ्यो ॥ नद
मालिनी ॥ इस नामभाजाति ॥ ॥ एकामवोचरयत्र ॥ बुभिरुवाहिधवताव वाखुसिंदंतत्र तेदनानामख्यातं नद्यचतो ॥ य
गा ॥ समरशिरसिसैन्यं कीदृशोर्दनिशारो ॥ विगत घन निद्रा ॥ को कीदृशो ॥ [illegible] ॥ किमपि विशिष्टो नशाय्यधा ॥ ॥

4

हिमामंजगनवरिक्तमनिंद्य ॥ दर्शना किंकरोति ॥ ॥ [illegible] नवति ॥ यतमंतरवाहि किम्प्यते ॥ कृपिपातविल [illegible] दि ॥ मय
रजोगुदिंगनमकरी ॥ कुरुतं किं मत्तगुविभक्त ना ॥ ॥ न [illegible] सरामालट वदति ॥ मम मुख्य न घन्यजो व मतिकर्म सदास
समीनमः ॥ अपि च [illegible] कुसुतेनतिस्कृतो रविमुना ॥ किं मासेविदधे क्रया ॥ ४० ॥ [illegible] यति ॥ मनसोमया ॥ कीदृशी
तूरखाता ॥ किंमनि मधुरमहीं नाजबातवाद्यं ॥ प्रियतमवदनीवा ॥ मंत्राणेकियदंस्यात् ॥ कुमति [illegible] विवाता ॥ कि
रसदा खि ॥ ॥ ४ ॥ समादधिरेलिड् ॥ वदता ॥ [illegible] मवच्च नंधनिक ॥ चिकृच्यते ॥ कीदृश ॥ नद्वस्तदीयुण [illegible]
किं जकन्नीरा ॥ ॥ [illegible] मतारा ॥ कीदृशातोक्तमरस्यापति ती [illegible] मिनयद्वमामजय [illegible] भिन ॥ कमलेक
विज्ञ ॥ किंकन्तोम्भिशातरवा ॥ [illegible] थीसं ॥ ॥ [illegible] माता [illegible] ॥ कुदृष्ट ॥ कातुका ॥ स्फ ॥ कयानी [illegible] ॥ दान [illegible] वो
दाता ॥ आहिना ॥ घाथ्य [illegible] ॥ करिण [illegible] निकिं ॥ ॥ ४७ ॥ दास्यामदो ॥ कार्दर्वसर्वका ॥ [illegible] स्या
वावकं ॥ या यत्र विरताजित्यं ॥ न ता किं संकरष्यति ॥ ४ [illegible] ॥ [illegible] तिलुद्र ॥ विद्यंतस्नतिमं मा ना [illegible] शाद ॥ को ॥ चिर
यतिसद्वा किं कच [illegible] मणिपदिकाय ॥ स्यात्तसुजनाकिंक ॥ [illegible] ॥ ४ [illegible] मेघा ॥ [illegible] वतिक [illegible] गाह
द्विर्नवसंततिलकं किं दादृते राणी ॥ तोशे ॥ कदर्पिकृष्टा विभवेदिनचा ॥ सुखं कृतक्रियता ॥ किं मे न [illegible] ॥ ४ [illegible] नदीलीला
कोमाय ॥ तिमकरंदलनयकमस्तउनकराजसुना ॥ कथय कदावलमस्यु एकं किमवृकिरस्यनयि ॥ ४ [illegible] लीलवं ॥ ४ [illegible]
कुरुप ॥ कस्या ॥ [illegible] मतवन्तुविवज्ञ ॥ क्रूसपद्मतमा ॥ वकुत्स्यादवाजिगामिधुरिका ॥ कीवायेतत्तकर ॥ ॥ [illegible] नवमगा ॥ ॥ जुटा ॥
किमकरवमदंहरिमहीधंसद्धजवरसेनेगमां ॥ दितविभिद्धु ॥ प्रियतमवद ने नयाचा [illegible] का ॥ परिणतविंबफलोपमः प्रिय
गा ॥ थ [illegible] सूरा ॥ परिहरतितत्थासवाः हिता ॥ कं कम घकवापिनविदतस्तीत ॥ कथय किमकरा [illegible] मांस्त्रीन्यय

5

स्तिपुणर्वयते वरं च मेकं॥ ५१ समरंजयंत्रुरां कीदृगुमेनासवतिरणरवीरां वीरःस्मृवयति। कास्मेलक्ष्मीमिव नृकासं
बुद्धि सिंचति खवःसंग्रामे किंकुर्वीत सुचटजनाद्यावृत्यात्॥ ५२ परजयेमदि॥ कंसारातिर्वदेग मनोकं न स्यात् कस्मि
न्नुपेतिल स्तु तृष्णात्यच॥ किं सर्वं प्राप्त कर मध्ये दीरा॥ किंकुर्यी [illegible] नमवा कंलोकं॥ ५३ विनोदयेऽयलिद्रा॥ वारं
लोजानवनकीदृगशीतयत्रं नस्त्रात॥ अयवंतुज्ञान दातस्मे किमकरिष्यमहंमने॥ ५४ समदास्य॥ कालिदे॥ [illegible]
कोनरःकर्वेलुपति का॥ उक्तकवे ता वलिप्सता॥ स्विकि मन्त्र मरिघाता॥ ५५ [illegible] नास्यतालुद्याना मार्ग्यात जाति॥ दे
यतकं दृशाते॥ [illegible] त्रस्तात्र रिसर्वा॥ ज्ञानीयं शाष संज्ञाति॥ [illegible] ॥ ५६ विमानी [illegible] गिता॥
स्याता॥ कीदृशोज्ञाविलाकरो॥ कः॥ रुज्यकःप्रमाण॥ स्यो॥ नरक्षीकरसमतं॥ ५७ [illegible] सावा॥ केप्रवीणोक॥
तोर्हीनं॥ जीर्णवासोम्बमांश्चक॥ निराकरिष वाबाद्यो॥ योगा [illegible] रम्भकीदृशा॥ ५८ विज्ञानवा
दिन॥ ताकेज्ञाति॥ कोनयतिजगतिशेषांकस्य तरिस्तरां कच वर्किं विप्लु॥ नचिःकन्नसमर्व॥ पाणिनि
चंच कीदृशा॥ ५९ समागमने॥ किंस्याद्विज्ञाव्यनिष्टका संस्थाव दत्तश्चरणी नवति॥ नीचः केन सगार्व॥ [illegible] वा
दस्यकीदृकं॥ ६० विज्ञायणमेका क्षिन्न सोज्ञजाति॥ नम्या घतेस्खल॥ कस्मिंसु मिडेत किमुच्यते॥ नादि [illegible] नाम
[illegible] मतिडां [illegible] नामकथ्यतां॥ ६१ परस्मैपदं॥ किमव्ययतयाख्यातौ कस्मिन्नो पाविधीयतां [illegible] तव्यास्तुदिदोज्ञा
वा॥ ममादारःकउच्यते॥ ६२ [illegible] रितः॥ शाब्दीयज्ञाति॥ जलदात्ययेसवतिका समुद्र स्वरगं च किं कमधरत्तुरीतिता॥
कउतिलमिश्रितयुवा नियतां॥ रेनिहंति कंशिशुणसमहंदिनि॥ ६३ [illegible] रागं॥ कीदृग्रात दीपवार्द्ध। त्रिस्वास्याड
[illegible] त्यासजंतेरागः॥ किं देवामात्यं किं गात्र त्रायश्यासीलोकः कयामो विवादे विविसा॥ ६४ विज्ञाकरस्तव

५

ता [illegible] जाति॥ वर्गस्थाय त्रस्य यत्र तत्र गीत्तरसच्यता॥ वाक्यय त्रोत्तर तत्राव काव्य त्रमिति [illegible] ॥ ९४ कोजा नु तुविक्स्या॥ ता॥ कोकवद
ति किंपदं कानी पष्टानंदरिजस्त्रमेघ्यं तेके चलि शुत्नि॥ ९५ ज्वा॥ किं शुचेति पयोवाहा॥ कीदृशी रिवत्र सा॥ ९६ जायां किं पदं को
पिका॥ कतिनंतो रिपु॥ ९७ कंसासुरा॥ [illegible] लोमर जाति॥ ९८ दामेदरिः [illegible] कीदृगचंद्र [illegible] ॥ [illegible]
याधिकिमि तमदाराः कविर्नता ध्वंस सुमिति [illegible] ॥ ९९ [illegible] मकरोदितिलक्ष्मीधरः [illegible] तिकीदृशा [illegible]
राश्र कारि किं [illegible] ॥ १०० [illegible] ॥ इति श्रीधर्मदास [illegible]
विदग्धमुखमंडने द्वितीयः परिच्छेदः॥ ॥ [illegible] कयवो [illegible]
[illegible] कं वंके [illegible] किं कीदृ [illegible] कीदृश [illegible]
[illegible] का माक्षः [illegible] [illegible]
कीदृग्य का [illegible] कमा माव्यकालं [illegible] किं [illegible]
[illegible] कोवा [illegible] कीदृशा कीदृशा [illegible]
[illegible] कंदलीकं [illegible] कीदृशां काचि [illegible]
[illegible] किमबर [illegible]
[illegible] कमोलि [illegible] कीदृ [illegible] विधत्रा
[illegible] किं कीदृश [illegible]
[illegible] [illegible]
कोच [illegible] कीदृग [illegible] कीदृश [illegible] कीदृ [illegible]

मिहाखुकिंसाति। कोनंगोवदति सृगा। खेमरुकेरिमारविणा॥ [illegible] निसांमनमिरेणा। संस्कृतप्राकृता। प्रायोविरुतिकी [illegible]
दरिगजोहतहीणगजा। [illegible] सवतिकीहवाव पतिनारामहनीराजते। वायः वापिकीहवी। [illegible] दी [illegible] चकः कोजलेम
सलेबलिपंघणश्रय दिगौं जोदं [illegible] केरिसा। पद सरकादवतानि [illegible] वादि [illegible] कीहमंगांदंतनवं केवदं तिवि [illegible]
तिलखुवाविपदकिंकेरिमुखयीणी मुहेड जाणी॥ [illegible] निसंस्कृ तायडंसौ। किंसुरवमाका वाघ। केसविकारव
कोरमदंयिता। कथमोनीकुस्मिनि विगुकोखुखुदिवलिभूलिमाणा॥ [illegible] मलकमाजेसे। कसं वरमद्भुतहति भिया
ना। टहतिस्फुटविरणा॥ श्रादिणोंवेगोयुलीनलोम्ब माकणोकिणाडुस्ट्रादइ॥ [illegible] कलमपणा। मस्नतमागधिका॥
कायरूपाकिमरुणीयेसस्यपूर्वकोप्राहति। शितितनेरूपमौनयोंयेतस्वनेनेमरनेराकरस्सरकौ
[illegible] दिकिंपदमाट हिरंगक मैद्य॥ दणकुधिलयनं कथीणयंतिजलदा॥ मिनकीहयूपलाप तमसरावृध
तिसिराधराकिरूवसिरकेसिरनौ। दिा [illegible] नात। ककातरवा॥ संस्कृतप्रेमाचिकोकोविश्रीध। कजेलवि
ताकिं विवीधोदिमहं। [illegible] कमरुंयदसोता॥ किंकिकेकियंता। ग्रामचौवि। कथकृविविधिं [illegible] देवावि
जानने [illegible] लीसाविश्वोलेहकीस॥ [illegible] एवमारसादापहिंगाधाकः भातुप्रूरुषवर [illegible] रिहाफवरकसिदे [illegible]
मनोधवेरिसदहरधीवधा [illegible] दददाकंडीश्रणीसितरेडीकीसचम्हारपथेजिघ्रज्ञिहाग्रमद [illegible] मद [illegible]
ग्रानादीकुलम॥ संस्कृतलिक्तिकं। चिहजाति॥ [illegible] विरिगिरिम [illegible]
दिन्ममणाकेरिसांकि। [illegible] मरनमवरादवग्र॥ कादरस्मा [illegible] कलम [illegible] कदाजड [illegible]
[illegible] मकेरिसाङ्गि॥ हपस एसवकमा॥ [illegible] पाणिगृहरणाणिवसं [illegible] पोदुदकेदिनं [illegible]

५

लवकसपाणदंयां हसमरमणेदि। परिश्रकमुग्जाडण कि [illegible] युयदेमाणूकेकादविरुलातिवियल [illegible]
[illegible] श्रीमानद्दौ [illegible] वेदुतणोगिजौ [illegible] मारूपराहणो [illegible] पद्मसां सुयलेरि [illegible] दिनंसदा [illegible]
[illegible] तिलसुर्वाकणजलोविमुद्दगयालो॥ [illegible] हिकेविसावहंस [illegible] समसा॥
तिलयसेलेरकेवाली। कदिपलिदंहियां जति॥ [illegible] भागधिक। परिवुद्दि ककनेराध्रुतिकुल॥
नाकिदंसवाइ। किदितमव। तिमिदि [illegible] किलाकिफुयंनाति [illegible] तो [illegible]
[illegible] निसितंतंसा। [illegible] तरवंरकेम [illegible] दनंजय। किंफलति॥ [illegible]
[illegible] कोजानीयाणडलिवंतेनलिमाकिं। [illegible] तिस। सरमवदेइजाणी। की
मतणोजाडभावलाणी॥ [illegible] लोकिकः॥ ससंडजाति॥ [illegible] नमया॥
येनयनदिमाद्यति। नदिदंसनरहस्ता॥ [illegible] श्रीम [illegible] विरचितविदग्धमुखमंडने [illegible] परिच्छेद॥
[illegible] कमध्यं। [illegible] मातृ [illegible]॥ [illegible] रादौ। [illegible] समादि [illegible]
[illegible] सनी [illegible] विहाभाव॥ [illegible] गतः॥ [illegible] पालिंगितः केवानितव [illegible] मां [illegible] सनि
मानयि। कांक नतिमुकसुद्॥ [illegible] तीयकं [illegible] दुहीनकविनवलसुमनोदरा [illegible] किं [illegible]
[illegible] फलं॥ [illegible] मुग्धा [illegible] सरोजस
योमिवायव [illegible] तादंनामकस्यात॥ [illegible] मदारिमध्या [illegible] नातरक्ता [illegible] नित्यं। वधा [illegible]
[illegible] निवहतीकां [illegible] तिनिषेदयो॥ [illegible] नीरसं [illegible] निरंतर [illegible] नम

सिकुडमतेऽफलुत्तं नम्रआयरियाणऽयावऽसो॥ भय॥ [illegible] गुणरकोघरिघरिवलऽ मयलपियारी [illegible]
रीमोदी मारी रवणीन [illegible] मुहऽ [illegible] कत्वति रुआ णाउजह आइं न यत्ती॥ यामामारि॥ [illegible] लिका जातिः॥
कालेसारादिकं [illegible] मारोदिग्धक्का विद [illegible] विदर [illegible] कवंतितदपे [illegible] ॥ एअह नेब मा भिन्यादयितस्स
णांसरागचरणायां॥ यावनपतितं मतयात [illegible] मवतारितां कस्मात्॥ [illegible] नाव [illegible] गुजाफलदिव्वण
णानिः स्वरंरो दिवलमा॥ कतोव्याघ्रकुटविनी॥ [illegible] दरविडचूयमवले॥ पिक्किचसविया [illegible] विरहिणीमदियम
मितकिंकेच्छितहं चूतचलणा वदोकुत्तो॥ [illegible] निम्मणि मिसडण छिय वत्तधारा [illegible] समयर दसियकया
इमीसा कुवोदो [illegible] ॥ रविसुनुकृत गोकेसी॥ [illegible] ति विपर्ययुणावरोवेतान्मधुरा
नरक [illegible] राजगद खिलो॥ खिरमया दसमं [illegible] कयाणि॥ [illegible] नवना [illegible] दामिदा
दडसदयकालोभजनमसत्यु पियतोऽनावा॥ [illegible] वृत्तं त्रिसीमा भुजगज्जी॥ [illegible] जमार [illegible] ते
रिधूरवा दरताभ्र [illegible] रीट किंतो वीड [illegible] नो कोवावीतोः [illegible] ॥ दड पदमूढो [illegible] यायावयतो
[illegible] दवकमलकिंणो पापापद [illegible] ननं बुद्धोयायांद पायात॥ [illegible] नमऊतिकचिह्ना [illegible] जगतो [illegible]
परथीमान्ना विरं [illegible] यतिसकलं [illegible] ॥ [illegible] रोदधि [illegible] मोलिङ केल्याणीनीचयो [illegible]
तिनिर्मलो [illegible] वणु [illegible] मोलिङ लौयो [illegible] दिय [illegible] निजर [illegible]
[illegible] तिनिदो तद [illegible] र्मदयादयात॥ निक्कावाद कहित [illegible] दमकुतिः॥ [illegible]
[illegible] मोकेरिसाक्वाजनपीड क्वोकरो [illegible] विरमेलोक्कामसमा [illegible] ॥ [illegible] तिनिंदा॥ मतनमहितजरव

[illegible] कालिकालक्करतिजगत [illegible] कारा [illegible] तिनिंदा [illegible]
मन्नवदमाश्रीमान [illegible] मदादया॥ करवचोरसत्तगोराजा [illegible] दितिव [illegible] पदाविनायका॥ दित [illegible] जोगं [illegible]
नारस॥ मर्दोमाधवा [illegible] ॥ [illegible] करवासुदेदो॥ [illegible] जातिः॥ [illegible] कारे [illegible] ना॥
तिरे माचांनागरिका॥ किंमुमलितो॥ न हिम खिदिमना यवना॥ [illegible] दास्सनावतीजगत्मुनो [illegible] तिनां
कितरुणीनदिनहिवाणी॥ कविमधुरनीलसा [illegible] तिजातिः॥ [illegible] लीनायदेवीधतोतहि
[illegible] मतीमिति॥ [illegible] सीनास्त्रीत्याया [illegible] ॥ [illegible] दर्शीतो॥ [illegible]
[illegible] विवो॥ [illegible] वविना॥ [illegible] विवु॥ [illegible] तिनव नचहार [illegible] ॥ तस
[illegible] वती॥ दसिता॥ [illegible] धति॥ [illegible] मणीवदनोपम [illegible] ॥ कियादि॥
कंछिम यत्रपद्मभ्रमन॥ किम्वाला [illegible] तनस्य॥ [illegible] मादिकं यथा॥ [illegible] ॥ [illegible]
कपिडजीय॥ [illegible] कल्यं वसुधामन्नं॥ [illegible] ॥ [illegible] कोकिल कुलस्येनो [illegible] तंत [illegible] ॥ सदका
[illegible] मारम्भावमतंकामोपि [illegible] करो [illegible] नवदतो [illegible] यति महीमपिना॥ नघारयिवीर [illegible]
॥ [illegible] दिक्कदधवलोन [illegible] लयरतंम नोहरदेवं॥ [illegible] विमाति [illegible] वसादयति॥ [illegible] करामा
[illegible] सवाद्दी॥ सुरांजवनमारुतो॥ [illegible] पायसी॥ निम्म [illegible] मंमेलया [illegible] नयं कजादवनिमं जात [illegible]
ता॥ [illegible] दिवसा॥ [illegible] वतां कम्पयमणीय॥ [illegible] तयेकमाय [illegible] कोमार [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] मानमिष्यंति [illegible] नसायातः॥ कलितो नरकं सवा [illegible] मयां मांसादिकं [illegible] मंजानीहि मां [illegible] ॥ ३

10

करणयुग्मं॥ अन्तोरुद्धमध्येभारुवादीयसिंकामिनीष्टदातिस्तिकिंसयन्नाः॥ वृष्यमोनाम्यकाम्यया॥४०अस्त्यायुक्त।
मार्गस्थातवृषमा ननाश्रितांस्मृदयंतितनकेना म। युग्मारना लयुग्मो॥४१संप्रदानयुग्मं॥ कलीमुखस्मयावीर।
उद्धीरेतिनिजितोरिपुः॥ क्षितेत्पतंतमलिनो॥ वनेपिकुसुमाकुलो॥४२अस्मीतोयस्वहृत्याजनकंदर्पकारकं॥ पिबत्यं।
नोडुरनिाधा स्वकौतनीतलं॥४३अपादानयुग्मं॥ यांकटाक्षटायाता॥ यविश्रयतिमानवं॥ पंकातेरोपितधी
तीरेकिंसाकमेलीलत्या॥४४विपद्यमानमासिद्या। सर्वस्यवनिहृत्पगता॥ तथ्यं चतस्मपादात्या॥ निवीण्वंत्य
युजन॥४५अधिकरणयुग्मं॥ कणीवमनुभासो। स्मितास्वकारङ्गमंजरी॥ इयमुद्धेत्तमुकलो॥ लीतिन्यस्य
स्त्रीलिखि॥४६धाममादामधुमासा॥ श्वलारु। ॥ कुश्रियतामाविहरश्च॥ अस्मतीवंसन्निहिता॥ दारुता॥
मीलासखीनिहितं॥४७मंबंधयुग्मं॥ मर्वेद्धो। नं त्वयाकिंविन्ला स्वविजातमहिदां॥ मिथ्यावचम्बाय
वांमेमेतावेक्षिनकश्चित्॥४८कमलेकमले नित्यं॥ मध्नुनिर्विवनस्यवाल्स्विम्यतिनसद्दृश॥ कष्टदोषाकर।
दायां॥४९आमंत्रितयुग्मं॥ विषादीरेदमस्याति। मदारोगंनस्यचति॥ कष्टेनाथिवयावीरं स्वनारिंसमःद्वं
नः॥५०नित्यमाराधितादेवि॥ कंसस्यविषतस्यतु॥ मंडलाग्रंगदाशंखं चक्रंजयतिविचली॥५१समासयुग्मं॥
निताताखहृदये॥ मर्दिश्यानुसमागता॥ वांक्षिरादेयोनश्री॥ न्यायः समालिंगयरस्यनो॥५२कलिकालमिश्र
तावादगस्यास्यमुनरथिपंडयतिमनः॥ कोवंरा॥ शिखडाडुकारिणी॥५३लिंगयुग्मं॥ प्रमोदेजनयत्येव॥ मदार
पुरुमेधिनः॥ यदिधर्मस्यकामस्यानवतासंगताविमो॥५४पूर्ववचनयुग्मं॥ कस्माविकृमलीसीति॥ सस्वास्वाय
प्रिंधस्ति॥ स्वश्रिंसंनिहितेतासुख्यान्विकर्षयोत्तरोपतिद्वचनयुग्मं॥ अन्योन्यधीस्फुटोयत्रामात्रादिव्य

तदेवपिश्रतीयतेविद्रुमन्साश्राख्यातरु॥ किंकां। प्रवालायमतिष्टस्वांनीरं संताययांतदोरक्तवीसादतिश्रांता॥ समा
श्रयतुंदजेना॥५५अपरस्वलस्फुरद्मृहामणिधरोहितां॥ नागराजोजयत्येकः॥ पृथिवीधरणक्षम॥५६मात्राच्युतके
सुदयोमाच्चंदनवती॥ कांतातिलकभूषिता॥ कस्यिधान्मासः प्रीति॥ भुजंगस्यंकरोतिनु॥५७यथामत्युसत्रः स्निग्धः॥ सन्मा
र्गविहितस्थिति॥ यथासर्वोध्रुवस्मत्यामूर्यमेवकलक्ष्म॥५८बिंदुच्युतकं॥ मुंडीरुद्धोविहंगानां॥ मेतम्भुरः केला।
धिनो॥ विरुता॥ स्वागतानीवानीरे वादायकेवति॥५९अगम्यस्यपुत्रिः श्रापा॥ विल्लस्पंदनमाश्रितः॥ महाभुखात्परिस्र
श्रानुवृषः सर्यतांगतः॥६०विसर्गच्युतकं॥ मदान पिशुस्थिरोषि॥ वज्रकरनम्रतोपिसन्॥ विरिदः क्रूरपरीवारोन
दीनःकेनसव्यते॥६१सुशीलः स्वगीरोरागः॥ धर्मी। चंद्रनिभाननः॥ स्वर्गुतः कस्यचित्तुशीति॥ तनोतिनदिसंस्थित
॥६२व्यंजनच्युतकं॥ तौतुजौतेयस्यफणीगरु मात्रा॥ याणामुरारिदायितोवत्राव्या॥ नोत्यास्फुरन॥
संदेमुखरदेद॥ पक्षागतिश्चकमसोविरश्रियः॥ हुंरः॥ कैवीताययकरः सुरेशः॥ शांतोहरिर्गोत्ररिपुर्विवस्वान्।
वंदाद्विजिकाश्रितद्रुत्पयत्यालस्कृतहेत॥ अंडविधि मंगति॥६३स्थानच्युतकं॥ इकवीरुधिराः सर्वोसरस्मात्सर्वजनप्रि
या॥ भूमीयामृतसंयन्ना॥ हरयनेमगधाश्वरं॥६४मत्यशीलदयायुता॥ दानोश्वचिरमकरः॥ इनः सर्वात्मनानैव॥ यद
मुखिरेलीभीतौ॥६५व्यंजनच्युतकं॥ स्फेटयितुमांद्वरंकिंचित्॥ सुनरत्यस्यदानता॥ यत्रायरोस्लवेदर्श॥ च्युतनाद्य
रहितत॥६६सदागतिदाताभ्रा॥ यस्ममोदस्यतांगतः॥ असमेक्षतिदीनोयो॥ विधुरेकः किंवद्वितः॥६७सर्वाचंद्रमु
रवीरम्पा॥ कामिनीनिर्भलीवरा॥ ततोतिकम्यनोत्प्रांत॥ मेकांतमदनाश्रर॥६८च्युतदत्ताक्षरजातिः॥ इतिश्रीधर्म
दासकृतविदग्धमुखमंडनेच्चतुर्थःपरिच्छेदः समाप्तः॥ [redacted] तेनेदं [redacted] लिखितं॥

શ્લોક
૫૨૮